सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 51 | इंदौर, शनिवार 26 अगस्त, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

बात मुद्दे की...

मप्र के इतिहास में पहली बार

मात्र 1000 घंटे के लिए तीन मंत्री बनाए जा रहे हैं। अमूमन 280 घंटे यह सोने में बिताएगें वहीं 720 घंटे मंत्री पद का सुख भोगेंगे।

इन्हें मंत्री बनाएं या नहीं इस पर विचार करने सीएम ने 96 घंटे लगा दिए

मप्र गजब है... सबसे अलग है

-राघवेंद्र बाबा

Headline

1. PM Modi: विदेश दौरे के बाद सीधे बेंगलुरू पहुंचे पीएम मोदी, 'जय विज्ञान-जय अनुसंधान' का नारा दिया
2. ISRO: चंद्रयान की कामयाबी पर CRPF ने इसरो को सम्मान देने के लिए एक मिनट का ड्रिल किया, नाराज हो गए बड़े साहब
3. Rajasthan Politics: गहलोत बोले- मौका मिला तो कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहूंगा, यह मुख्यमंत्री से 100 गुना बड़ा पद
4. UP News: बुजुर्ग माता-पिता पर किया अत्याचार तो संपत्ति से हो जाएंगे बेदखल, नियमावली में संशोधन पर हो रहा विचार
5. G20 Summit Varanasi: पीएम मोदी का वीडियो संदेश, मेहमानों से बोले- 'मुझे खुशी है कि हम वाराणसी में मिल रहे हैं'

रिश्वत

मांग तो रहे, लेकिन लेने नहीं आ रहे

लोकायुक्त की लगातार कार्रवाई से सतर्क हो गए भ्रष्टाचारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस की रिश्वत लेने वालों पर लगातार कार्रवाई के चलते अब भ्रष्टाचारियों ने भी सतर्क होकर अपना तरीका बदल दिया है, लेकिन इसके बाद भी वे लोकायुक्त पुलिस ने भी अपनी रणनीति बदलकर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। दरअसल शासकीय विभागों में पदस्थ होकर रिश्वत मांगने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगेहाथों पकड़ने की कार्रवाई की तो अब रिश्वतखोर भ्रष्टाचारियों ने भी लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए अपना तरीका बदल लिया है। वे रुपयों की मांग करने के बाद भी रुपए लेने नहीं आ रहे हैं। हाल ही में ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं, जिनमें रिश्वत तो मांगी गई, लेकिन रुपए लेने वे नहीं आए, जिन्होंने रिश्वत की मांग की थी। ऐसे में अब लोकायुक्त पुलिस ने भी अपनी इन रिश्वतखोरों पर शिकंजा कसने के लिए अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्रवाई के लिए लोकायुक्त ने भी बदली रणनीति, अब रिश्तवत लेते पकड़ा जाना जरूरी नहीं

जाल में नहीं फंस रहे

भ्रष्ट कर्मचारियों और अधिकारियों पर लोकायक्त पुलिस करवाई करती हैं। आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापामार कर सर्च करती है। वहीं रिश्वत मांगने वालों को ट्रैप करती हैं। रिश्वतखोर कर्मचारी कार्रवाई से बचने के लिए लोकायुक्त पुलिस के जाल (केमिकल लगे नोट देकर रंगेहाथ पकडऩा) में नहीं फंस रहे हैं। ऐसे में अब जाकर लोकायुक्त की टीम ने भी अपनी रणनीति बदल ली है। अब धारा 7 का इस्तेमाल कर रिश्वत मांगने पर ही कार्रवाई की जा रही है फिर भले ही वह रुपए लेते रंगेहाथों पकड़ा भी नहीं जाए। आरोपी को पकडऩे से पहले टीम उसके खिलाफ सबूत जुटा कर लेती है।

◆ पुलिस विभाग में अधिक मामले

लोकायुक्त पुलिस द्वारा रिश्वत मांगने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसके बाद भी इन रिश्वतखोरों पर लगाम नहीं लग पा रही है। वहीं एक समस्या यह भी है कि कुछ लोग केवल अपना काम कराने से मतलब रखते हैं और अपने काम के लिए रिश्वत के रुपए दे देते हैं, जबकि लोकायुक्त में शिकायत के बाद तत्काल कार्रवाई की जाती है। सबसे अधिक पुलिस विभाग में रिश्वत के मामले सामने आए हैं। इसके अलावा अन्य सरकारी कार्यालयों में भी रिश्वत को लेकर कई बार लोकायुक्त पुलिस भ्रष्टाचारियों को ट्रेप कर कार्रवाई कर चुकी है।

कार्रवाई से बचने को निकाला रास्ता

लोकायुक्त पुलिस द्वारा सभी शिकायतों में एक्शन लिया जाता है और फिर योजना बनाकर केमिकल लगे नोट शिकायतकर्ता को देकर रिश्वत मांगने वाले के पास पहुंचाया जाता है। यह योजना रंगेहाथ पकडऩे के लिए बनाई जाती है, लेकिन इस तरह की कार्रवाई से बचने के लिए ही अब रिश्वतखोर कर्मचारी स्वयं रुपए लेने नहीं आ रहे हैं। वे अपनी जगह किसी दूसरे को ही रुपए लेने पहुंचाते हैं, जिससे यदि लोकायुक्त में शिकायत भी की गई हो तो वह कार्रवाई से बच जाए।

इन मामलों में दर्ज किया केस

- नगर निगम के दरोगा ने संबल योजना के तहत रिश्वत मांगी। इस पर टीम ने ट्रैप प्लान किया। फरियादी को रुपए लेकर भेज दिया गया, लेकिन आरोपी पकड़ा नहीं जा सका। दो दिन तक टीम उसका इंतजार करती रही, लेकिन वह नहीं आया। इस पर भी केस दर्ज कर कर कार्रवाई की गई।
- इसी तरह बड़वानी जिले के बीडीओ से जीपीएफ की रकम निकालने के लिए सीईओ ने रिश्वत मांगी। आरोपी रवि ने रुपए लेने के लिए खुद न आते हुए बाबू को भेजा। बाबू को पुलिस ने पकड़ा तो आरोपी ने बताया कि उसे तो सीईओ ने भेजा है। टीम ने रुपए लेकर उसे अफसर के पास भेजा। बाबू के रुपए देते ही पकड़ लिया।
- खजराना थाने के एसआइ सुनील ने लडक़ी के मामले में आरोपी के पिता से 20 हजार रुपए मांगे। लोकायक्त पुलिस को शिकायत की गई। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीम ने जाल बिछाया, लेकिन आरोपी रुपए लेने नहीं आया। बाद में धारा 7 में केस दर्ज करना पड़ा।

उत्सुक जनता ने पूछें अंतरिक्ष मंत्री से प्रश्न

अंतरिक्ष मंत्री जितेंद्र सिंह का इंदौर के नागरिकों के साथ संवाद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भारत के अंतरिक्ष मंत्री जितेंद्र सिंह इंदौर के बुद्धिजीवियों एवं मीडिया के साथ संवाद किया। चन्द्रयान की कामयाबी का श्रेय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों तथा भारत के वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और मेधा को दिया। केंद्रीयमंत्री ने बताया कि सितंबर के पहले हफ्ते में आदित्य मिशन को लांच किया जा सकता है जो सूर्य का अध्ययन करेगा।

सांसद शंकर लालवानी के ह्यसांसद सेवा संकल्प द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह ने चंद्रयान अभियान के बारे में खुलकर बात की। चंद्रयान-3 के सफल लॉन्च के बाद ये पहला अवसर था जब केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने आम नागरिकों के साथ इस विषय पर इतनी लंबी बात की है। जितेंद्र सिंह जी से यह सवाल पूछा गया कि आखिर रूस और अमेरिका जैसे देश हजारों करोड रुपए खर्च कर स्पेस मिशन पर काम करते हैं लेकिन भारत इतने कम खर्चे में कैसे मैनेज करता है। जिस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम किसी तरह की रेस में शामिल नहीं है बल्कि भारत अपने रणनीतिक उद्देश्यों के तहत स्पेस मिशन को आगे बढ़ा रहा है। साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने भारत की वैज्ञानिकों की तारीफ करते हुए कहा कि जब कोई महत्वपूर्ण मिशन पर काम हो रहा होता है तो कई रिटायर्ड कर्मचारी, वैज्ञानिक अपनी स्वेच्छा से मदद करते हैं तो भारत के स्पेस मिशन की कम कास्टिंग की वजह बेहतर ह्यूमन रिसोर्स है। एक सवाल में यह पूछा गया कि स्पेस मिशन का आम व्यक्ति के जीवन से कोई नाता है भी या नहीं जिस पर केंद्रीयमंत्री ने भारत के अंतरिक्ष मिशन की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा की घरों में आने वाला केबल चैनल, मोबाइल फोन पर बात, कैशलेस पेमेंट से लेकर आम व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करने वाले कई चीजे स्पेस मिशन से जुड़ी हुई है।

हर हर महादेव, घर घर महादेव से गुंजा चितावद-पालदा क्षेत्र

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पूर्व मंत्री स्व.श्री महेश जोशी जी की स्मृति में विधानसभा क्षेत्र क्रं.3 के वार्ड 64 के आनंद मंगल परिसर,चिंतावद में दीपक महेश जोशी पिंटू द्वारा आयोजित रुद्राक्ष रुद्राभिषेक में 12 ज्योतिर्लिंग का चांदी के बेलपत्र व रुद्राक्ष में 2000 से अधिक संख्या में मातृशक्तियों के द्वारा रुद्राभिषेक किया गया

दीपक जोशी पिंटू ने बताया की सावन माह के अधिक मास में क्षेत्र 03 में 30 से अधिक स्थानों पर अभिषेक करवाया गया है , महिलाओं में शिव की आराधना का उत्साह देख कर हम सब को बड़ी खुशी की अनुभूति होती है, महिलाएं लाल, पीली साड़ी में आती है, पूजन सामग्री हमारे द्वारा दी जाती है साथ चांदी के बेल पत्र, रुद्राक्ष का वितरण करते है, काशी से आये शास्त्री जी द्वारा बारह ज्योतिर्लिंगों के बारे जानकारी एवं पूजन विधि बताते व शिवजी की कथा का वर्णन भी करते है। अभिषेक के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन भी किया गया।

भगवान परशुराम का डाक टिकट जारी होगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। संतोष शुक्ला, एडव्होकेट सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि स्व. पंडित विष्णुप्रसाद शुक्ला की प्रथम पुण्यतिथि पर भारत सरकार द्वारा भगवान श्री परशुराम जी के डाक टिकट का अनुमोदन किया गया। इस विशेष डाक टिकट को लंदन की ब्रिटिश संसद में आयोजित वल्र्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के समारोह में 14 सितंबर 2023 जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जल्दी ही होगा ब्राह्मण आयोग का गठन, जिसके अंतर्गत ब्राह्मण समाज के सर्वांगीण विकास एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को रचनात्मक स्वरूप में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्व. पंडित विष्णुप्रसाद जी ने भगवान परशुराम जी का भव्य मंदिर के निर्माण में अपूर्व योगदान दिया। वे मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के समस्त ब्राह्मण समाज एवं ब्राह्मण संगठनों के सक्रिय मार्गदर्शक रहे।

जिंदा जलाकर पत्नी की हत्या करने वाले पति को उम्रकैद की सजा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बेटी दूसरे समाज के किसी लडके से शादी करना चाहती थी, लेकिन पिता तैयार नहीं था। मां समर्थन में आई तो इस बात पर हुए विवाद में उसके पिता ने केरोसिन डालकर मां को जिंदा जलाकर मार डाला। जिला सत्र न्यायालय ने आरोपित राजेश कश्यप पिता रामखिलावन निवासी बापू गांधीनगर को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। लक्ष्मी की शादी आरोपित राजेश से लगभग 20 वर्ष पूर्व हुई थी। इनकी 18 वर्षीय पुत्री है जो दूसरे समाज में शादी करना चाहती थी, लेकिन पिता राजेश इसके लिए तैयार नहीं था। इसी बात को लेकर आरोपित राजेश शराब पीकर अक्सर पत्नी लक्ष्मी के साथ लड़ाई-झगड़ा करता था। घटना दिनांक 11 अक्टूबर 2020 को सुबह साढ़े सात बजे की है। बेटी घर के बाहर काम कर रही थी, उसी समय उसकी शादी को लेकर आरोपित राजेश पत्नी लक्ष्मी से विवाद करने लगा और उसने बोतल में रखा केरोसिन लक्ष्मी के ऊपर डालकर आग लगा दी। इससे वह गंभीर रूप से करीब 90 प्रतिशत जल गई। चिल्लाने पर बेटी व आसपास के लोग आ गए और बुझाकर लक्ष्मी को एमवाय अस्पताल ले गए। अस्पताल में लक्ष्मी के मृत्यु पूर्व कथन तहसीलदार ने लिए। बाद में उसकी मौत हो गई। लसूडिया थाना पुलिस ने हत्या के आरोप में पति राजेश को गिरफ्तार कर चालान कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए उक्त सजा सुनाई। शासन की ओर से लोक अभियोजक अभिजीत सिंह राठौर ने पैरवी की।

फिजयोथेरिपिस्ट की दो दिवसीय वर्कशॉप आज से

इंदौर। एस डी पी सी की और से होटल विनवे में फिजयोथेरिपिस्ट डॉक्टरों की 2 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन 26 और 27 अगस्त को किया जा रहा है। वर्कशॉप मे मध्य प्रदेश सहित, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ, पांडिचेरी आदि प्रदेशों के 30 फिजयोथेरिपिस्ट शामिल होंगे। यह जानकारी देते हुए फिजयोथेरिपिस्ट डॉ. महेश साहू ने बताता कि इस आयोजन में विशेष रूप से जर्मनी, स्विटजरलैंड, दुबई और आबुधाबी के फिजियोथेरिपिस्ट डॉक्टर पधार रहे है। दो दिनों तक आयोजित वर्कशॉप में पैरालिसिस सेरेबलपाल्सी, पर्किसन, स्लिप डिस्क, ब्रेन इंजरी, स्पाइन इंजरी, चक्कर आना आदि बीमारियों एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा होगी।

21 फीसदी ज्यादा बिजली आपूर्ति

इंदौर। बिजली वितरण कंपनी द्वारा जारी अगस्त माह के चौबीस दिनों में गत वर्ष समान अवधि की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा बिजली आपूर्ति की गई है। कंपनी द्वारा गत वर्ष के अगस्त माह के 24 दिनों में जहां 133 करोड़ यूनिट बिजली वितरित की गई थी, वहीं इस वर्ष 161 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण हो चुका है। जारी अगस्त माह में इंदौर जिले में 34 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण हुआ है। धार जिले में 26 करोड़ यूनिट उज्जैन जिले में करीब 15.25 करोड़ यूनिट, खरगोन जिले में 15 करोड़, देवास जिले में 15 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण हुआ है। मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर के निदेर्शानुसार सभी जिलों में नोडल अधिकारी आपूर्ति की दैनिक समीक्षा करते हैं। जहां भी तकनीकी कठिनाई आती है, वहां समय पर समाधान किया जा रहा हैं।

कटाक्ष

मानसिक रोगी महिलाएं बना रही राखियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर के लिंबोदी क्षेत्र में स्थित होम अगेन में निवासरत मानसिक रूप से अस्वस्थ महिलाएं राखियां बना रही हैं। महिलाओं द्वारा बनाई गई राखियां और संदेश पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भेजा हैं। इन महिलाओं द्वारा बनाई गई राखियों को लोग खरीदकर उनका मनोबल बढ़ा रहे हैं।

ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान द्वारा निराश्रित मानसिक रोगी महिलाओं के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश से ह्यहोम अगेन प्रोजेक्टह्ण का संचालन किया जा रहा हैं। संस्था द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उनसे राखियां बनवाई जा रही हैं। संस्था द्वारा 26 अगस्त को रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें में जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहकर इन महिलाओं से राखी बंधवाएंगे।

संस्था निदेशक अजय धवले ने बताया कि मानसिक रोगी महिलाओं को समुदाय में ही आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होम अगेन संचालित किया जा रहा है। मानसिक रूप से अस्वस्थ और मेंटल हॉस्पिटल में रहने के बाद ठीक हुई महिलाएं, जिनको परिवार या समाज रखने के लिए तैयार नहीं है, ऐसी महिलाओं को प्रोजेक्ट होम अगेन के माध्यम से इंदौर में पुनर्वास करने का प्रयास किया जा रहा हैं। शहर के लिंबोदी क्षेत्र में 4 घरों में 22 महिलाएं निवासरत हैं।

उन्हें घर जैसा माहौल प्रदान कर और उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोडने का प्रयास किया जा रहा हैं। धवले ने बताया कि होम अगेन में निवासरत महिलाओं को उचित उपचार के साथ योग, कौशल प्रशिक्षण आदि गतिविधियां की जाती हैं। होम अगेन मध्य भारत का यह पहला प्रोजेक्ट है, देश के छह राज्यों में होम अगेन संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे ही प्रोजेक्ट श्रीलंका व पश्चिम बंगाल में भी चल रहे हैं।

विश्वविद्यालय की 40 पाठ्यक्रम की 300 सीटें खाली, फिर करवाना होंगे पंजीयन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की सीयूईटी काउंसिलिंग का पहला चरण खत्म हो चुका है। कई पाठ्यक्रम में सीटें रिक्त है। अब इन्हें भरने के लिए विश्वविद्यालय ने दूसरा चरण रखने का फैसला किया है, जिसमें पंजीयन के लिए छात्र-छात्राओं को आवेदन करने का मौका मिलेगा। अधिकारियों के मुताबिक, सितंबर पहले सप्ताह में काउंसिलिंग होगी। उसमें दोनों चरण में पंजीयन करवा चुके विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा ले सकेंगे। खास बात यह है कि अधिकांश विभागाध्यक्ष सीएलसी करवाने पर जोर दे रहे हैं। 14 विभागों से संचालित 41 इंटीग्रेटेड-स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की 2500 सीटों के लिए आठ दिनों काउंसिलिंग चली, जो 17 से 24 अगस्त के बीच दस हजार रैंक पाने वाले विद्यार्थियों को बुलाया। कई विद्यार्थियों को पंसदीदा पाठ्यक्रम की सीट नहीं मिली तो उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया। करीब डेढ़ से दो हजार ऐसे विद्यार्थी रहे है, जिन्होंने काउंसिलिंग बीच में छोड़ दी है। यूजी में बीए इकानोमिक्स, बीएएलएलबी, एमबीए एचए कोर्स की डिमांड रही तो पीजी में एमबीए मार्केटिंग-फाइनेंस, मीडिया मैनेजमेंट पाठ्यक्रम की सीटें फुल हो गई।

सीजन में दूसरी बार मानसून पर ब्रेक 5-6 सितंबर तक तेज बारिश नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर मानसून ब्रेक हो गया है। इस सीजन में ऐसा दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 5 से 17 अगस्त तक मानसून ब्रेक रहा था। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मध्यप्रदेश में 5-6 सितंबर तक तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी या लोकल सिस्टम की एक्टिविटी हो सकती है। तेज बारिश नहीं होने से सामान्य बारिश का आंकड़ा लुढक़ सकता है।

अभी प्रदेश में ओवरऑल बारिश का आंकड़ा 8त्न कम है। औसत 26 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि अब तक 28.30 इंच बारिश होनी चाहिए थी। अगस्त में तेज बारिश नहीं होने के कारण आंकड़े में लगातार गिरावट आ रही है। करीब 10 दिन का फिर मानसून ब्रेक होने से आंकड़े में और भी गिरावट होगी।

◆ इसलिए मानसून ब्रेक की स्थिति

भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि दक्षिण उत्तर प्रदेश के ऊपर एक चक्रवाती घेरा सक्रिय था। इसी से होते हुए मानसून ट्रफ लाइन गुजर रही थी। अब यह सिस्टम कमजोर पड़ कर उत्तरी छत्तीसगढ़ के आसपास है। इसका मध्यप्रदेश पर ज्यादा असर नहीं है। इस कारण प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर मौसम शुष्क हो रहा है। हालांकि, ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में कहीं-कहीं पर गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी या हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। 5 से 6 सितंबर तक मौसम शुष्क रहेगा। कहीं-कहीं लोकल सिस्टम की वजह से कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। वैज्ञानिक डॉ. सिंह ने बताया कि मानसून का यह सेकंड हाफ है। एक-दो दिन में ट्रफ लाइन हिमालय की तरफ शिफ्ट हो जाएगी। इससे मध्य भारत के मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति रहेगी।

24 घंटे में कैसा रहा मौसम

प्रदेश में गुरुवार को हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। रीवा, सागर और शहडोल संभाग और इनसे लगे जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। भोपाल में सुबह फुहार पड़ी। नर्मदापुरम में भी बारिश हुई। इंदौर, जबलपुर और उज्जैन संभाग में भी बूंदाबांदी जारी रही।

पश्चिमी हिस्से में 11त्न कम बारिश

तेज बारिश का सिलसिला थमने से मध्यप्रदेश में ओवरऑल बारिश का आंकड़ा घट रहा है। अब तक प्रदेश में सामान्य से 8त्न बारिश कम हुई है। पश्चिमी हिस्से में 11त्न और पूर्वी हिस्से में यह आंकड़ा 5त्न कम है।

इन जिलों में कम बारिश

खरगोन, मंदसौर, बड़वानी, ग्वालियर में सबसे कम कम बारिश हुई है। यहां आंकड़ा 20 इंच से कम है।

कैसे रहेंगे अगले 24 घंटे

ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में कहीं-कहीं पर गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी या हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन संभाग में कहीं-कहीं बूंदाबांदी होगी। कहीं पर तेज धूप भी खिलेगी।

आदिवासी की मौत परिजन बोले- पुलिस ने मार डाला

ग्रामीणों ने कहा- पुलिस जूते-चप्पल मारते हुए चौकी ले गई थी, दूसरे दिन घर में मरा मिला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रायसेन। रायसेन में एक आदिवासी युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। परिजन ने पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। परिजन का कहना है कि मंगलवार को पुलिस युवक को जूते-चप्पल मारते हुए चौकी ले गई थी। बुधवार सुबह वह घर में बाहर के कमरे में पड़ा मिला। अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मामला सिलवानी के चैनपुर गांव का है।

जैथारी पुलिस चौकी प्रभारी सत्येंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि मंगलवार शाम को सरपंच प्रतिनिधि पप्पू ठाकुर ने फोन पर जानकारी दी कि भजन कार्यक्रम में श्रीराम आदिवासी नशे में गाली-गलौज और अभद्रता कर रहा है। उसे पुलिस चौकी लाए। रात करीब 8:30 बजे उसे पप्पू ठाकुर और मस्तराम आदिवासी को सुपुर्द कर दिया था। वे श्रीराम को बाइक पर बैठाकर ले गए थे। दूसरे दिन उसकी मौत की सूचना मिली। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। अंतिम संस्कार हो गया है। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

पिता बोले- बेटे को पुलिस ने मार दिया- ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस श्रीराम को मंदिर से स्कूल तक जूते-चप्पल से मारते हुए गाड़ी में बैठाकर चौकी ले गई थी। मृतक के पिता जगमोहन आदिवासी का आरोप है कि मेरे बेटे को पुलिस ने मरवा दिया। श्रीराम खेती करता था। उसकी शादी हो चुकी थी। उससे बड़ा एक भाई है। गांव के पूर्व सरपंच निरपत सिंह ठाकुर ने बताया, मंगलवार रात को अंधेरे में कब, कितने बजे और कौन श्रीराम को कमरे में छोडक़र चला गया, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। वहीं, सरपंच प्रतिनिधि पप्पू ठाकुर का कहना है कि रात 8.30 बजे श्रीराम को बाइक पर बैठाकर गांव के बाहर छोड़ दिया था। सुबह मौत की खबर मिली। मृतक श्रीराम आदिवासी के परिजन का आरोप है कि पुलिस उसे पीटते हुए चौकी ले गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार- डॉ. एचएन मांडरे ने बताया कि श्रीराम आदिवासी को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। डॉ. आरएस पटेल और डॉ. अभिषेक ठाकुर के साथ शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। विसरा जांच के लिए लैब भेजा है। पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण पता चलेगा।

45 साल बाद मिले मां-बेटे

गुस्से में घर छोडक़र निकली थी महिला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सेंधवा। किसी फिल्म की कहानी की तरह करीब 45 साल पहले गुम हुई मां घर से करीब 150 किमी दूर एक गांव में मिली। जब मां-बेटे आपस में मिले तो भावुक हो गए। आसपास मौजूद लोगों की आंखों से भी आंसू छलक पड़े। सेंधवा शहर से लगे बोरली गांव में लगभग 45 वर्षों से भिक्षा मांग कर जीवन यापन करने वाली वृद्ध महिला को लेने उसका 50 वर्षीय बेटा अचानक गांव पहुंचा। दरअसल, अलीराजपुर जिले के फाटा गांव निवासी मधु किराडे जल जीवन मिशन योजना में काम करने के लिए रोजगार की तलाश में अपने गांव से निकलकर बड़वानी जिले के सेंधवा पहुंचा था। यहां से उसे कार्य के लिए सेंधवा के समीप बोरली गांव पहुंचाया गया। यहां पर उसकी दोस्ती गांव के धरमसिंह से हुई।

बातों-बातों में धरमसिंह ने मधु से उसके घर और गांव का पता पूछा और कहने लगा कि लगभग 40 से 45 वर्ष से एक महिला इस गांव में भिक्षा मांग रही है। जो स्वयं को अलीराजपुर की बताती है। मधु किराडे ने महिला की जानकारी लेकर अलीराजपुर क्षेत्र में महिला के परिवार की छानबीन में लग गया। उसने अपने चचेरे भाई से इस बारे में संपर्क किया।

वीडियो कॉल पर पहचाना घर- काफी खोजबीन करने के बाद अलीराजपुर जिले के फाटा गांव निवासी भारत ने इन लोगों ने संपर्क किया। भारत ने इस बात को स्वीकार किया कि लगभग 40 से 45 वर्ष पूर्व उसकी मां घर से कहीं चली गई थी और आज तक नहीं मिली। गांव वालों ने वीडियो कॉल के जरिए भारत का और उसकी मां का संपर्क कराया। वृद्ध महिला ने वीडियो कॉल पर अपने घर और घर के आस-पास के पेड़ों को पहचान लिया। इसके बाद भारत अपनी मां को लेने सेंधवा के समीप बोरली गांव पहुंचा।

मां को ढूंढने पिता ने बेची जमीन-जायदाद- बुजुर्ग महिला के बेटे भारत ने बताया कि वह जब बहुत छोटा था तो उसकी मां अचानक कहीं चल गई थी। बहुत ढूंढने के बाद भी नहीं मिली। मेरे पिताजी ने अपने पशु, खेत, जमीन मां को ढूंढने के लिए बेच दी। चार साल पहले पिताजी की मृत्यु हुई, लेकिन मां नहीं मिली।

अचानक मुझे मधु का फोन आया और उसने मेरी मां के बारे में पूछताछ की। मैंने कहा मेरी मां अब नहीं मिलेगी। लेकिन फिर भी उसने मुझे संपर्क करने को कहा। हमने वीडियो कॉल के जरिए बातचीत की और मेरी मां ने मेरे घर को और मुझे पहचान लिया। जब मां घर से निकली थी तब मैं बहुत छोटा था। मैं अपनी मां को पाकर बहुत खुश हूं। मुझे संसार की सबसे बड़ी खुशी मिली है।

वृद्ध के बेटे भारत को बोरली लेकर पहुंचे रेमसिंह किराड़े ने बताया कि मेरे चचेरे भाई ने मुझसे संपर्क किया जो इस गांव में रोजगार की तलाश में आया था। उसने मुझे बताया कि अपने गांव की एक महिला इतने सालों से यहां रह रही है, क्योंकि हमारी उम्र कम होने से हमें इस बारे में कुछ नहीं पता था फिर भी मैंने खोजबीन कर भारत का पता लगाया। हम भारत की मां को लेने आए हैं।

मैं अब बहुत खुश हूं- भारत की मां कुसुम बताती है कि वह कई सालों पहले घर से निकल गई थी। उसे बहुत अधिक गुस्सा आया था और वह घर छोडक़र निकल गई थी। इसके बाद अपने घर नहीं लौटी। मेरा बेटा मुझे लेने आया है। मैं बहुत खुश हूं, मैं अपने बेटे के साथ जा रही हूं।

कटनी में तेज रफ्तार बस पलटी, तीन की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

कटनी। यात्री बस पलट गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 24 यात्री घायल हैं। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। हादसा स्लीमनाबाद-उमरियापान रोड पर शुक्रवार दोपहर में हुआ। पुलिस ने बताया कि यात्री बस ढीमरखेड़ा जा रही थी। हादसे की सूचना मिलते ही स्लीमनाबाद, उमरियापान और ढीमरखेड़ा का पुलिस बल मौके पहुंचा। बस को जब्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि ड्राइवर काफी स्पीड में बस चला रहा था, जिससे अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

बतौली बातें

वैज्ञानिक कहते हैं, चाँद पर जीवन नहीं है।

सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर मातादीन (डिपार्टमेंट में एम. डी. साब) कहते हैं- वैज्ञानिक झूठ बोलते हैं, वहाँ हमारे जैसे ही मनुष्य की आबादी है।

विज्ञान ने हमेशा इन्स्पेक्टर मातादीन से मात खाई है। फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ कहता रहता है- छुरे पर पाए गए निशान मुलज़िम की अँगुलियों के नहीं हैं। पर मातादीन उसे सज़ा दिला ही देते हैं।

मातादीन कहते हैं, ये वैज्ञानिक केस का पूरा इन्वेस्टीगेशन नहीं करते। उन्होंने चाँद का उजला हिस्सा देखा और कह दिया, वहाँ जीवन नहीं है। मैं चाँद का अँधेरा हिस्सा देख कर आया हूँ। वहाँ मनुष्य जाति है।

यह बात सही है क्योंकि अँधेरे पक्ष के मातादीन माहिर माने जाते हैं।

पूछा जाएगा, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर क्यों गए थे? टूरिस्ट की हैसियत से या किसी फरार अपराधी को पकड़ने? नहीं, वे भारत की तरफ से सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत गए थे। चाँद सरकार ने भारत सरकार को लिखा था- यों हमारी सभ्यता बहुत आगे बढ़ी है। पर हमारी पुलिस में पर्याप्त सक्षमता नहीं है। वह अपराधी का पता लगाने और उसे सज़ा दिलाने में अक्सर सफल नहीं होती। सुना है, आपके यहाँ रामराज है। मेहरबानी करके किसी पुलिस अफसर को भेजें जो हमारी पुलिस को शिक्षित कर दे।

गृहमंत्री ने सचिव से कहा- किसी आई. जी. को भेज दो।

सचिव ने कहा- नहीं सर, आई. जी. नहीं भेजा जा सकता। प्रोटोकॉल का सवाल है। चाँद हमारा एक क्षुद्र उपग्रह है। आई. जी. के रैंक के आदमी को नहीं भेजेंगे। किसी सीनियर इंस्पेक्टर को भेज देता हूँ।

तय किया गया कि हजारों मामलों के इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर सीनियर इंस्पेक्टर मातादीन को भेज दिया जाय।

चाँद की सरकार को लिख दिया गया कि आप मातादीन को लेने के लिए पृथ्वी-यान भेज दीजिये।

पुलिस मंत्री ने मातादीन को बुलाकर कहा- तुम भारतीय पुलिस की उज्ज्वल परंपरा के दूत की हैसियत से जा रहे हो। ऐसा काम करना कि सारे अंतरिक्ष में डिपार्टमेंट की ऐसी जय-जयकार हो कि पी. एम. (प्रधानमन्त्री) को भी सुनाई पड़ जाए।

मातादीन की यात्रा का दिन आ गया। एक यान अंतरिक्ष अड्डे पर उतरा। मातादीन सबसे विदा लेकर यान की तरफ बढ़े। वे धीरे-धीरे कहते जा रहे थे, 'प्रबिसि नगर कीजै सब काजा, हृदय राखि कौसलपुर राजा।'

यान के पास पहुँचकर मातादीन ने मुंशी अब्दुल गफूर को पुकारा- 'मुंशी!'

गफूर ने एड़ी मिलाकर सेल्यूट फटकारा। बोला- जी, पेक्टसा!

एफ. आई. आर. रख दी है?

जी , पेक्टसा।

और रोजनामचे का नमूना?

जी, पेक्टसा!

वे यान में बैठने लगे। हवलदार बलभद्दर को बुलाकर कहा- हमारे घर में जचकी के बखत अपने खटला (पत्नी) को मदद के लिए भेज देना।

बलभद्दर ने कहा- जी, पेक्टसा।

गफूर ने कहा – आप बेफिक्र रहे पेक्टसा! मैं अपने मकान (पत्नी) को भी भेज दूँगा खिदमत के लिए।

मातादीन ने यान के चालक से पूछा – ड्राइविंग लाइसेंस है?

जी, है साहब!

और गाड़ी में बत्ती ठीक है?

जी, ठीक है।

मातादीन ने कहा, सब ठीक-ठाक होना चाहिए, वरना हरामजादे का बीच अंतरिक्ष में चालान कर दूँगा।

चन्द्रमा से आये चालक ने कहा- हमारे यहाँ आदमी से इस तरह नहीं बोलते।

मातादीन ने कहा- जानता हूँ बे! तुम्हारी पुलिस कमज़ोर है। अभी मैं उसे ठीक करता हूँ।

मातादीन यान में कदम रख ही रहे थे कि हवलदार रामसजीवन भागता हुआ आया। बोला- पेक्टसा, एस.पी. साहब के घर में से कहे हैं कि चाँद से एड़ी चमकाने का पत्थर लेते आना।

मातादीन खुश हुए। बोले- कह देना बाई साब से, ज़रूर लेता आऊंगा।

वे यान में बैठे और यान उड़ चला। पृथ्वी के वायुमंडल से यान बाहर निकला ही था कि मातादीन ने चालक से कहा- अबे, हॉर्न क्यों नहीं बजाता?

चालक ने जवाब दिया- आसपास लाखों मील में कुछ नहीं है।

मातादीन ने डाँटा- मगर रूल इज रूल। हॉर्न बजाता चल।

चालक अंतरिक्ष में हॉर्न बजाता हुआ यान को चाँद पर उतार लाया। अंतरिक्ष अड्डे पर पुलिस अधिकारी मातादीन के स्वागत के लिए खड़े थे। मातादीन रोब से उतरे और उन अफसरों के कन्धों पर नजर डाली। वहाँ किसी के स्टार नहीं थे। फीते भी किसी के नहीं लगे थे। लिहाज़ा मातादीन ने एड़ी मिलाना और हाथ उठाना ज़रूरी नहीं समझा। फिर उन्होंने सोचा, मैं यहाँ इंस्पेक्टर की हैसियत से नहीं, सलाहकार की हैसियत से आया हूँ।

• हरिशंकर परसाई

मातादीन को वे लोग लाइन में ले गए और एक अच्छे बंगले में उन्हें टिका दिया।

एक दिन आराम करने के बाद मातादीन ने काम शुरू कर दिया। पहले उन्होंने पुलिस लाइन का मुलाहज़ा किया।

शाम को उन्होंने आई.जी. से कहा- आपके यहाँ पुलिस लाइन में हनुमानजी का मंदिर नहीं है। हमारे रामराज में पुलिस लाइन में हनुमानजी हैं।

आई.जी. ने कहा- हनुमान कौन थे- हम नहीं जानते।

मातादीन ने कहा- हनुमान का दर्शन हर कर्तव्यपरायण पुलिसवाले के लिए ज़रूरी है। हनुमान सुग्रीव के यहाँ स्पेशल ब्रांच में थे। उन्होंने सीता माता का पता लगाया था। 'एबडक्शन' का मामला था- दफा 362। हनुमानजी ने रावण को सजा वहीं दे दी। उसकी प्रॉपर्टी में आग लगा दी। पुलिस को यह अधिकार होना चाहिए कि अपराधी को पकड़ा और वहीं सज़ा दे दी। अदालत में जाने का झंझट नहीं। मगर यह सिस्टम अभी हमारे रामराज में भी चालू नहीं हुआ है। हनुमानजी के काम से भगवान राम बहुत खुश हुए। वे उन्हें अयोध्या ले आए और 'टौन ड्यूटी' में तैनात कर दिया। वही हनुमान हमारे अराध्य देव हैं। मैं उनकी फोटो लेता आया हूँ। उस पर से मूर्तियाँ बनवाइए और हर पुलिस लाइन में स्थापित करवाइए।

थोड़े ही दिनों में चाँद की हर पुलिस लाइन में हनुमानजी स्थापित हो गए।

मातादीन उन कारणों का अध्ययन कर रहे थे, जिनसे पुलिस लापरवाह और अलाल हो गयी है। वह अपराधों पर ध्यान नहीं देती। कोई कारण नहीं मिल रहा था। एकाएक उनकी बुद्धि में एक चमक आई। उन्होंने मुंशी से कहा- ज़रा तनखा का रजिस्टर बताओ।

तनखा का रजिस्टर देखा, तो सब समझ गए। कारण पकड़ में आ गया।

शाम को उन्होंने पुलिस मंत्री से कहा, मैं समझ गया कि आपकी पुलिस मुस्तैद क्यों नहीं है। आप इतनी बड़ी तनख्वाहें देते हैं, इसीलिए। सिपाही को पांच सौ, थानेदार को हज़ार- ये क्या मज़ाक है। आखिर पुलिस अपराधी को क्यों पकड़े? हमारे यहाँ सिपाही को सौ और इंस्पेक्टर को दो सौ देते हैं तो वे चौबीस घंटे जुर्म की तलाश करते हैं। आप तनख्वाहें फ़ौरन घटाइए।

पुलिस मंत्री ने कहा- मगर यह तो अन्याय होगा। अच्छा वेतन नहीं मिलेगा तो वे काम ही क्यों करेंगे?

मातादीन ने कहा- इसमें कोई अन्याय नहीं है। आप देखेंगे कि पहली घटी हुई तनखा मिलते ही आपकी पुलिस की मनोवृति में क्रांतिकारी परिवर्तन हो जाएगा।

पुलिस मंत्री ने तनख्वाहें घटा दीं और 2-3 महीनों में सचमुच बहुत फर्क आ गया। पुलिस एकदम मुस्तैद हो गई। सोते से एकदम जाग गई। चारों तरफ नज़र रखने लगी। अपराधियों की दुनिया में घबड़ाहट छा गई। पुलिस मंत्री ने तमाम थानों के रिकॉर्ड बुला कर देखे। पहले से कई गुने अधिक केस रजिस्टर हुए थे। उन्होंने मातादीन से कहा- मैं आपकी सूझ की तारीफ़ करता हूँ। आपने क्रांति कर दी। पर यह हुआ किस तरह?

मातादीन ने समझाया- बात बहुत मामूली है। कम तनखा दोगे, तो मुलाज़िम की गुज़र नहीं होगी। सौ रुपयों में सिपाही बच्चों को नहीं पाल सकता। दो सौ में इंस्पेक्टर ठाठ-बाट नहीं मेनटेन कर सकता। उसे ऊपरी आमदनी करनी ही पड़ेगी। और ऊपरी आमदनी तभी होगी जब वह अपराधी को पकड़ेगा। गरज़ कि वह अपराधों पर नज़र रखेगा। सचेत, कर्तव्यपरायण और मुस्तैद हो जाएगा। हमारे रामराज के स्वच्छ और सक्षम प्रशासन का यही रहस्य है।

चंद्रलोक में इस चमत्कार की खबर फैल गयी। लोग मातादीन को देखने आने लगे कि वह आदमी कैसा है जो तनखा कम करके सक्षमता ला देता है। पुलिस के लोग भी खुश थे। वे कहते- गुरु, आप इधर न पधारते तो हम सभी कोरी तनखा से ही गुज़र करते रहते। सरकार भी खुश थी कि मुनाफे का बजट बनने वाला था।

आधी समस्या हल हो गई। पुलिस अपराधी पकड़ने लगी थी। अब मामले की जाँच-विधि में सुधार करना रह गया था। अपराधी को पकड़ने के बाद उसे सज़ा दिलाना। मातादीन इंतज़ार कर रहे थे कि कोई बड़ा केस हो जाए तो नमूने के तौर पर उसका इन्वेस्टिगेशन कर बताएँ।

एक दिन आपसी मारपीट में एक आदमी मारा गया। मातादीन कोतवाली में आकर बैठ गए और बोले- नमूने के लिए इस केस का 'इन्वेस्टिगेशन' मैं करता हूँ। आप लोग सीखिए। यह कत्ल का केस है। कत्ल के केस में 'एविडेंस' बहुत पक्का होना चाहिए।

कोतवाल ने कहा- पहले कातिल का पता लगाया जाएगा, तभी तो एविडेंस इकठ्ठा किया जायगा।

मातादीन ने कहा- नहीं, उलटे मत चलो। पहले एविडेंस देखो। क्या कहीं खून मिला? किसी के कपड़ों पर या और कहीं?

एक इंस्पेक्टर ने कहा- हाँ, मारनेवाले तो भाग गए थे। मृतक सड़क पर बेहोश पड़ा था। एक भला आदमी वहाँ रहता है। उसने उठाकर अस्पताल भेजा। उस भले आदमी के कपड़ों पर खून के दाग लग गए हैं।

मातादीन ने कहा- उसे फौरन गिरफ्तार करो।

कोतवाल ने कहा- मगर उसने तो मरते हुए आदमी की मदद की थी।

मातादीन ने कहा- वह सब ठीक है। पर तुम खून के दाग ढूँढने और कहाँ जाओगे? जो एविडेंस मिल रहा है, उसे तो कब्ज़े में करो।

वह भला आदमी पकड़कर बुलवा लिया गया। उसने कहा- मैंने तो मरते आदमी को अस्पताल भिजवाया था। मेरा क्या कसूर है?

चाँद की पुलिस उसकी बात से एकदम प्रभावित हुई। मातादीन प्रभावित नहीं हुए। सारा पुलिस महकमा उत्सुक था कि अब मातादीन क्या तर्क निकालते हैं।

मातादीन ने उससे कहा- पर तुम झगड़े की जगह गए क्यों?

उसने जवाब दिया- मैं झगड़े की जगह नहीं गया। मेरा वहाँ मकान है। झगड़ा मेरे मकान के सामने हुआ।

अब फिर मातादीन की प्रतिभा की परीक्षा थी। सारा महकमा उत्सुक देख रहा था।

मातादीन ने कहा- मकान तो ठीक है। पर मैं पूछता हूँ, झगड़े की जगह जाना ही क्यों?

इस तर्क का कोई जवाब नहीं था। वह बार-बार कहता- मैं झगड़े की जगह नहीं गया। मेरा वहीं मकान है।

मातादीन उसे जवाब देते- सो ठीक है, पर झगड़े की जगह जाना ही क्यों? इस तर्क-प्रणाली से पुलिस के लोग बहुत प्रभावित हुए।

अब मातादीनजी ने इन्वेस्टिगेशन का सिद्धांत समझाया- देखो, आदमी मारा गया है, तो यह पक्का है किसी ने उसे ज़रूर मारा। कोई कातिल है। किसी को सज़ा होनी है। सवाल है- किसको सज़ा होनी है? पुलिस के लिए यह सवाल इतना महत्त्व नहीं रखता जितना यह सवाल कि जुर्म किस पर साबित हो सकता है या किस पर साबित होना चाहिए। कत्ल हुआ है, तो किसी मनुष्य को सज़ा होगी ही। मारनेवाले को होती है, या बेकसूर को – यह अपने सोचने की बात नहीं है। मनुष्य-मनुष्य सब बराबर हैं। सबमें उसी परमात्मा का अंश है। हम भेदभाव नहीं करते। यह पुलिस का मानवतावाद है।

दूसरा सवाल है, किस पर जुर्म साबित होना चाहिए। इसका निर्णय इन बातों से होगा- (1) क्या वह आदमी पुलिस के रास्ते में आता है? (2) क्या उसे सज़ा दिलाने से ऊपर के लोग खुश होंगे?

मातादीन को बताया गया कि वह आदमी भला है, पर पुलिस अन्याय करे तो विरोध करता है। जहाँ तक ऊपर के लोगों का सवाल है- वह वर्तमान सरकार की विरोधी राजनीति वाला है।

मातादीन ने टेबिल ठोंककर कहा- फर्स्ट क्लास केस। पक्का एविडेंस। और ऊपर का सपोर्ट।

एक इंस्पेक्टर ने कहा- पर हमारे गले यह बात नहीं उतरती है कि एक निरपराध-भले आदमी को सज़ा दिलाई जाए।

मातादीन ने समझाया- देखो, मैं समझा चुका हूँ कि सबमें उसी ईश्वर का अंश है। सज़ा इसे हो या कातिल को, फांसी पर तो ईश्वर ही चढ़ेगा न! फिर तुम्हे कपड़ों पर खून मिल रहा है। इसे छोड़कर तुम कहाँ खून ढूंढते फिरोगे? तुम तो भरो एफ. आई. आर.।

मातादीन जी ने एफ.आई.आर. भरवा दी। 'बखत ज़रूरत के लिए' जगह खाली छुड़वा दी।

दूसरे दिन पुलिस कोतवाल ने कहा- गुरुदेव, हमारी तो बड़ी आफत है। तमाम भले आदमी आते हैं और कहते हैं, उस बेचारे बेकसूर को क्यों फंसा रहे हो? ऐसा तो चंद्रलोक में कभी नहीं हुआ! बताइये हम क्या जवाब दें? हम तो बहुत शर्मिंदा हैं।

मातादीन ने कोतवाल से कहा- घबड़ाओ मत। शुरू-शुरू में इस काम में आदमी को शर्म आती है। आगे तुम्हें बेकसूर को छोड़ने में शर्म आएगी। हर चीज़ का जवाब है। अब आपके पास जो आए उससे कह दो, हम जानते हैं वह निर्दोष है, पर हम क्या करें? यह सब ऊपर से हो रहा है।

कोतवाल ने कहा- तब वे एस.पी. के पास जाएँगे।

मातादीन बोले- एस.पी. भी कह दें कि ऊपर से हो रहा है।

तब वे आई.जी. के पास शिकायत करेंगे।

आई.जी. भी कहें कि सब ऊपर से हो रहा है।

तब वे लोग पुलिस मंत्री के पास पहुंचेंगे।

पुलिस मंत्री भी कहेंगे- भैया, मैं क्या करूं? यह ऊपर से हो रहा है।

तो वे प्रधानमंत्री के पास जाएंगे।

प्रधानमंत्री भी कहें कि मैं जानता हूँ, वह निर्दोष है, पर यह ऊपर से हो रहा है।

कोतवाल ने कहा- तब वे..

मातादीन ने कहा- तब क्या? तब वे किसके पास जाएँगे? भगवान के पास न? मगर भगवान से पूछकर कौन लौट सका है?

कोतवाल चुप रह गया। वह इस महान प्रतिभा से चमत्कृत था।

मातादीन ने कहा- एक मुहावरा 'ऊपर से हो रहा है' हमारे देश में पच्चीस सालों से सरकारों को बचा रहा है। तुम इसे सीख लो।

केस की तैयारी होने लगी। मातादीन ने कहा- अब 4-6 चश्मदीद गवाह लाओ।

कोतवाल- चश्मदीद गवाह कैसे मिलेंगे? जब किसी ने उसे मारते देखा ही नहीं, तो चश्मदीद गवाह कोई कैसे होगा?

मातादीन ने सिर ठोंक लिया, किन बेवकूफों के बीच फंसा दिया गवर्नमेंट ने। इन्हें तो ए-बी-सी-डी भी नहीं आती। झल्लाकर कहा- चश्मदीद गवाह किसे कहते हैं, जानते हो? चश्मदीद गवाह वह नहीं है जो देखे, बल्कि वह है जो कहे कि मैंने देखा।

कोतवाल ने कहा- ऐसा कोई क्यों कहेगा?

मातादीन ने कहा- कहेगा। समझ में नहीं आता, कैसे डिपार्टमेंट चलाते हो! अरे चश्मदीद गवाहों की लिस्ट पुलिस के पास पहले से रहती है। जहाँ जरूरत हुई, उन्हें चश्मदीद बना दिया। हमारे यहाँ ऐसे आदमी हैं, जो साल में 3-4 सौ वारदातों के चश्मदीद गवाह होते हैं। हमारी अदालतें भी मान लेती हैं कि इस आदमी में कोई दैवी शक्ति है जिससे जान लेता है कि अमुक जगह वारदात होने वाली है और वहाँ पहले से पहुँच जाता है। मैं तुम्हें चश्मदीद गवाह बनाकर देता हूँ। 8-10 उठाईगीरों को बुलाओ, जो चोरी, मारपीट, गुंडागर्दी करते हों। जुआ खिलाते हों या शराब उतारते हों।

• शेष पेज 5 पर

संपादकीय

उम्मीद की किरण

अगले महीने भारत जी-बीस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। उस दौरान भी दोनों देशों के नेता मिलेंगे। चीन बेशक अपनी विस्तारवादी नीति के तहत भारत पर दबाव बनाने और उसके इलाके में घुसपैठ की कोशिश करता है, पर उसे अच्छी तरह मालूम है कि भारत की हैसियत अब वैसी नहीं है कि उस पर दबाव बनाया जा सके। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ विज्ञान और तकनीक के मामले में भारत निरंतर आत्मनिर्भर हो रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच चल रहे विवादों के सुलझने की एक बार फिर उम्मीद बनी है। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों से सीमा विवाद सुलझाने को कहने का आश्वासन दिया। हालांकि ब्रिक्स सम्मेलन से पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि जब दोनों नेता वहां मिलेंगे, तो वास्तविक नियंत्रण रेखा के विवादों पर विस्तार से बात करेंगे। मगर ऐसा अवसर नहीं बन पाया। फिर भी सम्मेलन से इतर दोनों नेताओं ने इस संबंध में बातचीत की और उनका रुख सकारात्मक देखा गया। इससे यह संकेत साफ है कि दोनों के रिश्तों में वैसी खटास नहीं है, जैसी आमतौर पर दो देशों के बीच सीमा विवाद के चलते देखी जाती है। चीन ने भी भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल जी-20 के शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया में मिले थे। ब्रिक्स सम्मेलन में इनके मिलने से पहले इस मुद्दे पर दोनों देशों के वरिष्ठ सेनाधिकारियों की उन्नीसवें दौर की दो दिवसीय बातचीत हो चुकी थी, जिसमें विवाद खत्म करने का सकारात्मक संकेत दिखाई दिया था। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विवाद भारत की तरफ से पैदा नहीं हुआ है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के अधिकार वाले क्षेत्रों में घुसपैठ और कब्जा करने का प्रयास करता रहता है। इसी के कारण 2020 में चीनी सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिसे लेकर संघर्ष हुआ और दोनों तरफ के सैनिक मारे गए थे। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। चीन ने भारत के हिस्से वाली कुछ जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती कर रखी है, जिसकी वजह से पहले जहां तक भारतीय सैनिक गश्ती किया करते थे, वहां तक नहीं जा पाते। गलवान, डेपसांग, डोकलाम, तवांग जैसे कई इलाकों में चीनी सैनिकों की घुसपैठ बताई जाती है। भारत चाहता है कि उन इलाकों में यथास्थिति बहाल हो। हालांकि दोनों देशों ने बातचीत के आधार पर कुछ इलाकों से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया है, मगर अब भी कई इलाके विवादित हैं। ये विवाद सुलझाने पर सहमति बनने की उम्मीद इस बात से नजर आती है कि चीन ने कभी बातचीत से अलग होने की कोशिश नहीं की। हालांकि वह अपनी शर्तों और जिद पर कायम रहता है, पर दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला चलता रहे, तो समाधान का रास्ता भी बनेगा।

बाल दिवस

मुल्ला नसरुद्दीन और भिखारी

मुल्ला नसरुद्दीन अक्सर मजाक-मजाक में बड़ा सबक सिखा देते थे। एक दिन एक भिखारी मुल्ला नसरुद्दीन के घर के सामने आया। मुल्ला नसरुद्दीन आराम से पहली मंजिल पर बैठ कर चाय पी रहे थे। मुल्ला जी को देखकर भिखारी बोला, “अरे जनाब जरा नीचे आइए आपसे कुछ काम है।” मुल्ला नसरुद्दीन भिखारी से बोले, “क्या काम है नीचे से ही बता दो।” भिखारी ने कहा, “आपको नीचे ही आना पड़ेगा।”

मुल्ला नसरुद्दीन नीचे चले आए और बोले बताओ क्या काम है? भिखारी ने कहा, “दो पैसे दे दो मालिक, मैं बहुत गरीब हूं।” मुल्ला नसरुद्दीन भिखारी पर खीजते हुए बोले ऊपर आओ। भिखारी पैसों के लालच में मुल्ला नसरुद्दीन के पीछे-पीछे चल दिया। ऊपर जाकर मुल्ला नसरुद्दीन भिखारी से बोले “मेरे पास एक भी पैसा नहीं है।” अबकी बार खीजने के बारी भिखारी की थी। बेचारा अपना-सा मुंह लेकर वहां से चला आया।

कहानी से सीख

हमें दूसरों के समय की कद्र करनी चाहिए न कि सिर्फ अपने स्वार्थ के बारे में सोचना चाहिए।

इंस्पेक्टर मातादीन ...

पेज 4 का शेष

दूसरे दिन शहर के 8-10 नवरत्न कोतवाली में हाजिर थे। उन्हें देखकर मातादीन गद्गद हो गए। बहुत दिन हो गए थे ऐसे लोगों को देखे। बड़ा सूना-सूना लग रहा था।

मातादीन का प्रेम उमड़ पड़ा। उनसे कहा- तुम लोगों ने उस आदमी को लाठी से मारते देखा था न?

वे बोले- नहीं देखा साब! हम वहाँ थे ही नहीं।

मातादीन जानते थे, यह पहला मौका है। फिर उन्होंने कहा- वहाँ नहीं थे, यह मैंने माना। पर लाठी मारते देखा तो था?

उन लोगों को लगा कि यह पागल आदमी है। तभी ऐसी उटपटांग बात कहता है। वे हँसने लगे।

मातादीन ने कहा- हँसो मत, जवाब दो।

वे बोले- जब थे ही नहीं, तो कैसे देखा?

मातादीन ने गुर्राकर देखा। कहा- कैसे देखा, सो बताता हूँ। तुम लोग जो काम करते हो- सब इधर दर्ज है। हर एक को कम से कम दस साल जेल में डाला जा सकता है। तुम ये काम आगे भी करना चाहते हो या जेल जाना चाहते हो?

वे घबड़ाकर बोले – साब, हम जेल नहीं जाना चाहते।

मातादीन ने कहा- ठीक। तो तुमने उस आदमी को लाठी मारते देखा। देखा न?

वे बोले- देखा साब। वह आदमी घर से निकला और जो लाठी मारना शुरू किया, तो वह बेचारा बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़ा।

मातादीन ने कहा- ठीक है। आगे भी ऐसी वारदातें देखोगे?

वे बोले- साब, जो आप कहेंगे, सो देखेंगे।

कोतवाल इस चमत्कार से थोड़ी देर को बेहोश हो गया। होश आया तो मातादीन के चरणों पर गिर पड़ा।

मातादीन ने कहा- हटो। काम करने दो।

कोतवाल पाँवों से लिपट गया। कहने लगा- मैं जीवन भर इन श्रीचरणों में पड़ा रहना चाहता हूँ।

मातादीन ने आगे की सारी कार्यप्रणाली तय कर दी। एफ.आई.आर. बदलना, बीच में पन्ने डालना, रोजनामचा बदलना, गवाहों को तोड़ना – सब सिखा दिया।

उस आदमी को बीस साल की सज़ा हो गई।

चाँद की पुलिस शिक्षित हो चुकी थी। धड़ाधड़ केस बनने लगे और सज़ा होने लगी। चाँद की सरकार बहुत खुश थी। पुलिस की ऐसी मुस्तैदी भारत सरकार के सहयोग का नतीजा था। चाँद की संसद ने एक धन्यवाद का प्रस्ताव पास किया।

एक दिन मातादीनजी का सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। वे फूलों से लदे खुली जीप पर बैठे थे। आसपास जय-जयकार करते हजारों लोग। वे हाथ जोड़कर अपने गृहमंत्री की स्टाइल में जवाब दे रहे थे।

जिंदगी में पहली बार ऐसा कर रहे थे, इसलिए थोड़ा अटपटा लग रहा था। छब्बीस साल पहले पुलिस में भरती होते वक्त किसने सोचा था कि एक दिन दूसरे लोक में उनका ऐसा अभिनंदन होगा। वे पछताए- अच्छा होता कि इस मौके के लिए कुरता, टोपी और धोती ले आते।

भारत के पुलिस मंत्री टेलीविजन पर बैठे यह दृश्य देख रहे थे और सोच रहे थे, मेरी सद्भावना यात्रा के लिए वातावरण बन गया।

कुछ महीने निकल गए।

एक दिन चाँद की संसद का विशेष अधिवेशन बुलाया गया। बहुत तूफान खड़ा हुआ। गुप्त अधिवेशन था, इसलिए रिपोर्ट प्रकाशित नहीं हुई पर संसद की दीवारों से टकराकर कुछ शब्द बाहर आए।

सदस्य गुस्से से चिल्ला रहे थे-

कोई बीमार बाप का इलाज नहीं कराता।

डूबते बच्चों को कोई नहीं बचाता।

जलते मकान की आग कोई नहीं बुझाता।

आदमी जानवर से बदतर हो गया। सरकार फौरन इस्तीफा दे।

दूसरे दिन चाँद के प्रधानमंत्री ने मातादीन को बुलाया। मातादीन ने देखा – वे एकदम बूढ़े हो गए थे। लगा, ये कई रात सोए नहीं हैं।

रुँआसे होकर प्रधानमंत्री ने कहा- मातादीन, हम आपके और भारत सरकार के बहुत आभारी हैं। अब आप कल देश वापस लौट जाइये।

मातादीन ने कहा- मैं तो ‘टर्म’ ख़त्म करके ही जाऊँगा।

प्रधानमंत्री ने कहा- आप बाकी ‘टर्म’ का वेतन ले जाइये- डबल ले जाइए, तिबल ले जाइये।

मातादीन ने कहा- हमारा सिद्धांत है: हमें पैसा नहीं काम प्यारा है।

आखिर चाँद के प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री को एक गुप्त पत्र लिखा।

चौथे दिन मातादीन को वापस लौटने के लिए अपने आई.जी. का आर्डर मिल गया।

उन्होंने एस.पी. साहब के घर के लिए एड़ी चमकाने का पत्थर यान में रखा और चाँद से विदा हो गए।

उन्हें जाते देख पुलिसवाले रो पड़े।

बहुत अरसे तक यह रहस्य बना रहा कि आखिर चाँद में ऐसा क्या हो गया कि मातादीन को इस तरह एकदम लौटना पड़ा! चाँद के प्रधान मंत्री ने भारत के प्रधान मंत्री को क्या लिखा था?

एक दिन वह पत्र खुल ही गया। उसमें लिखा था-

इंस्पेक्टर मातादीन की सेवाएँ हमें प्रदान करने के लिए अनेक धन्यवाद। पर अब आप उन्हें फौरन बुला लें। हम भारत को मित्रदेश समझते थे, पर आपने हमारे साथ शत्रुवत व्यवहार किया है। हम भोले लोगों से आपने विश्वासघात किया है।

आपके मातादीन ने हमारी पुलिस को जैसा कर दिया है, उसके नतीजे ये हुए हैं:

कोई आदमी किसी मरते हुए आदमी के पास नहीं जाता, इस डर से कि वह कत्ल के मामले में फंसा दिया जाएगा। बेटा बीमार बाप की सेवा नहीं करता। वह डरता है, बाप मर गया तो उस पर कहीं हत्या का आरोप नहीं लगा दिया जाए। घर जलते रहते हैं और कोई बुझाने नहीं जाता- डरता है कि कहीं उसपर आग लगाने का जुर्म कायम न कर दिया जाए। बच्चे नदी में डूबते रहते हैं और कोई उन्हें नहीं बचाता, इस डर से कि उस पर बच्चों को डुबाने का आरोप न लग जाए। सारे मानवीय संबंध समाप्त हो रहे हैं। मातादीनजी ने हमारी आधी संस्कृति नष्ट कर दी है। अगर वे यहाँ रहे तो पूरी संस्कृति नष्ट कर देंगे। उन्हें फौरन रामराज में बुला लिया जाए।

Highlights

1. You took 'Make in India' to moon: PM Modi lauds ISRO scientists
2. Requested Karnataka CM not to take trouble to receive me: PM Modi
3. Won't file a case: Father of Muslim boy who was slapped by classmates on teacher's order
4. Who is Vikas Malu, Kuber Group owner injured in Rolls-Royce crash in Haryana?
5. Hatred: Rahul on clip of UP teacher asking kids to slap Muslim boy

Indian real estate market size estimated to jump over 12-fold to USD 5.8 trillion by 2047: Report

NEW DEIHI, (Agency). The size of the Indian real estate sector is estimated to jump more than 12-fold to USD 5.8 trillion by 2047 from USD 477 billion last year and will contribute over 15 per cent to the total economic output of the country, according to Naredco-Knight Frank report.

Realtors' body Naredco and property consultant Knight Frank India on Friday released a report 'India Real Estate: Vision 2047'.

"India's real estate sector is expected to expand to USD 5.8 trillion or USD 5,833 billion by 2047. This estimated real estate output value will contribute 15.5 per cent to the total economic output in 2047 from an existing share of 7.3 per cent," Naredco-Knight Frank said in a statement.

By 2047, when India reaches 100 years of independence, the size of India's economy is estimated to range between USD 33 trillion and USD 40 trillion.

For study purposes, Knight Frank has taken the mean estimated growth of the Indian economy to a value of USD 36.4 trillion by 2047.

As per the report, the size of the residential real estate market is estimated to grow to USD 3.5 trillion (USD 3,500 billion) in 2047 from USD 299 billion last year.

The size of the office real estate market is likely to grow to USD 473 billion from USD 40 billion, while the warehousing market is expected to reach USD 34 billion from USD 2.9 billion.

"Significant expansion of the Indian economy by 2047, will be powered by real estate. A multifold economic expansion will boost demand across all the asset classes -- residential, commercial, warehousing, industrial land developments etc -- will grow at a multiplier rate to accommodate the growing needs of the economy and consumption needs of the individuals," Rajan Bandelkar, President NAREDCO India, said.

Niranjan Hiranandani, National Vice Chairman of Naredco, said the northbound growth in the Indian real estate sector is driven by the favourable domestic economic environment with economic resilience, bolstered infrastructure growth plans, alternative investment models, and domestic consumption power.

'22 out of 24 matters probed': SEBI submits status report to SC in Adani case

NEW DEIHI, (Agency). Capital markets regulator SEBI on Friday informed the Supreme Court that it has completed the probe in all but two allegations against the Adani group and is still awaiting information from five tax havens on actual owners behind foreign investors investing in the conglomerate.

The Securities and Exchange Board of India in a status report to the Supreme Court stated that out of the 24 matters it was probing, findings in as many as 22 are final. Without divulging the outcome of its investigations, SEBI gave a detailed breakdown of the steps taken by it during its probe, including related party transactions.

"SEBI shall take appropriate action based on the outcome of the investigations in accordance with law," the regulator said in the filing.

The probe reports finalised include allegations of manipulation of stock prices, alleged failure to disclose transactions with related parties and possible violation of insider trading in some of the group stocks.

However, on the allegation of non-compliance with the minimum public sharing requirement by investing in its own companies through overseas proxies, SEBI said its investigation covered 13 overseas entities (12 foreign portfolio investors and one foreign entity).

Karnataka

कोच में अवैध रूप से ले जा रहे थे सिलेंडर, लखनऊ से निकली ट्रेन में लगी आग, 9 की मौत, 20 घायल

बेंगलुरु, (एजेंसी) तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के अंदर आग लगने की घटना सामने आई है. मदुरै में रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, लखनऊ से रामेश्वरम जा रही ट्रेन के टूरिस्ट कोच में आग लगने से 9 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं. रेलवे ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है. टूरिस्ट कोच ने 17 अगस्त को लखनऊ से अपनी यात्रा शुरू की थी और कल चेन्नई पहुंचने वाली थे और इसके बाद इसे वहीं से लखनऊ लौटना था.

अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने की घटना की सूचना सुबह करीब 5.15 बजे मिली जब ट्रेन मदुरै यार्ड जंक्शन पर रुकी हुई थी. रेलवे के अनुसार कुछ पैसेंजर अवैध तरीके से गैस सिलेंडर लेकर कोच में घुस गये थे. मदुरै जंक्शन

आग को लेकर रेलवे की तरफ से हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं. जो हैं- 9360552608 और 8015681915.

खबर के मुताबिक, ट्रेन के टूरिस्ट कोच में लखनऊ से 65 यात्रियों को लेकर एक निजी पार्टी सवार हुई थी. ट्रेन संख्या 16730 (मदुरै-पुनालूर एक्सप्रेस) आज सुबह 3.47 बजे मदुरै पहुंची. बुक किए गए टूरिस्ट कोच को पार्क किया गया था इसमें सवार कुछ सदस्य चाय/नाश्ता तैयार करने के लिए अनधिकृत रूप से अवैध रूप से तस्करी किए गए रसोई गैस सिलेंडर का उपयोग करने लगे. इसकी वजह कोच में आग लग गई. आग लगने की सूचना पर अधिकांश यात्री कोच से बाहर निकल गए.अन्य किसी कोच को नुकसान नहीं हुआ है.

आग लगने का वीडियो भी सामने आया है. जिसमें दिख रहा है कि कोच में भीषण आग लगी हुई है और कुछ लोग आसपास चिल्ला भी रहे हैं.इस दौरान बगल के रेलवे ट्रैक से एक ट्रेन भी गुजर रही है.

New Delhi

सोया जूस पीते ही बिगड़ी बच्चों की तबीयत, मिड डे मील प्रोवाइडर को शोकॉज नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के सागरपुर इलाके के दुर्गा पार्क स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय में जैसे ही 70 बच्चों के बीमार होने की खबर फैली, वहां हजारों लोग जुट गए। खबर सुनते ही अभिभावक स्कूल की ओर दौड़े। स्कूल के बाहर जमा हुए परिजनों ने जमकर हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए स्कूल प्रशासन ने दरवाजा बंद कर दिया।

जिन अभिभावकों को उनके बच्चे नजर नहीं आए, वे स्कूल प्रशासन व वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से पूछकर डीडीयू या दादा देव अस्पताल का रुख करते रहे। इसके बाद दोनों अस्पतालों के बाहर भी अभिभावकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। ऐसे में अस्पतालों के बाहर भी पुलिस अधिकारियों को पहुंचकर स्थिति संभाली। वहीं, पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद अभिभावक शांत हुए, जिसके बाद आपातकालीन विभाग को खाली कराया गया

अस्पताल में मौजूद अभिभावकों में से कुछ ने बताया कि स्कूल से लौटने के बाद बच्चे ने पेट दर्द की शिकायत की। पूछने पर बच्चों ने अभिभावकों को बताया कि उन्हें जूस पीने को दिया गया, जिसके बाद उन्हें पहले हल्का दर्द हुआ जो बाद में तेज दर्द में तब्दील होने लगा। इसके बाद बच्चों को लेकर अभिभावक अस्पताल पहुंचे।

Uttarpradesh

पत्नी ने शराब पीने से रोका तो नाराज हुआ पति, गुस्से में लगी ली फांसी

बांदा, (एजेंसी) यूपी के बांदा में पति को शराब पीने से मना करना एक महिला को भारी पड़ गया. पत्नी के मना करने पर गुस्साए पति ने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी. बताया जा रहा है कि पत्नी हमेशा शराब पीने को लेकर पति से विवाद करती थी. घटना वाले दिन भी उसने देर रात पति को शराब पीने से मना किया था, इसके बाद युवक ने सुसाइड कर लिया. मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई. खुदकुशी की ये वारदात शहर कोतवाली के शुकुल कुआं इलाके में हुई है. यहां रहने वाला एक युवक शराब पीने का आदि था. परिजनों ने बताया कि आए दिन शख्स घर में शराब पीकर हंगामा मचाता था.

Rajasthan

विवि की साइट्स से रिकॉर्ड चुराकर छात्राओं को भेजे अश्लील मैसेज, एक हजार प्रवेश पत्र मिले, पकड़ में ऐसे आया

जयपुर, (एजेंसी) राजस्थान के बारां जिले में फोन कॉल और सोशल मीडिया के माध्यम से लड़कियों को परेशान करने के मामले में महिला थाना पुलिस की टीम ने साइबर सेल के सहयोग से अज्ञात आरोपी को ट्रेंस कर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र धाकड़ पुत्र ओमप्रकाश (35) थाना अटरू क्षेत्र के गोविंदपुरा का रहने वाला है। एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अब तक 3000 से अधिक लड़कियों को कॉल कर परेशान करना स्वीकार किया है। उसके पास मिले मोबाइल से अलग -अलग यूनिवर्सिटी की हजारों की संख्या में लड़कियों के प्रवेश पत्र मिले हैं। जिन्हें कॉल और अश्लील मैसेज भेज कर परेशान करता था। आरोपी लड़कियों का बायोडाटा उनके प्रवेश पत्र को विवि की साइट पर सर्च करता था। वह साइट खोलकर जन्मतिथि की कोई भी तारीख अपलोड किसी भी अक्षर से जुड़ी छात्राओं का डाटा निकाल लेता था। युवक लड़कियों के मोबाइल नंबर व जन्मतिथि उनके विवि के प्रवेश पत्र से निकालकर उनके जन्मदिन पर मैसेज व कॉल करता। बाद में उनसे बातचीत कर नजदीकी बढ़ाने की कोशिश कर अश्लील बातें व चैट करता था। युवतियों के ऐतराज जताने पर भद्दी गालियां देकर सोशल मीडिआ पर बदनाम करने की धमकी देता था।

खेल

प्रणय ने विश्व चैंपियनशिप में पदक किया तय दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी एक्सेलसन को हराया

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन को क्वार्टर फाइनल में हराकर विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का कर लिया। अब उनका सामना थाईलैंड के कुनलावत वितिदसर्न से होगा। प्रणय ने तीन गेमों तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन पर 13-21, 21-15, 21-16 से 68 मिनट में जीत हासिल की। प्रणय का यह विश्व चैंपियनशिप में पहला पदक होगा।

पीवी सिंधु एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य जीत चुकी हैं। वहीं, साइना नेहवाल ने एक रजत और एक कांस्य अपने नाम किया है। किंदाबी श्रीकांत के नाम एक रजत पदक है। प्रकाश पादुकोण, बी साई प्रणीत और लक्ष्य सेन कांस्य पदक जीत चुके हैं। युगल में सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी कांस्य के अलावा महिला युगल में ज्वाला गट्टा और अश्विनी पोनप्पा कांस्य पदक है।

पहले गेम में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को लय हासिल करने में समय लगा तब तक स्थानीय स्टार एक्सेलसन 11-5 की बढ़त बना चुके थे। एक्सेलसन ने कोर्ट पर अपनी चपलता से लगातार बढ़त बनाए रखी और पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने रिद्गम पाली। उन्होंने लंबी रैलियों के बाद अंक बटोरे। उन्होंने डेनमार्क के खिलाड़ी के स्मैशों पर न केवल अच्छा गेम दिखाया, बल्कि नेट पर भी ड्रॉप शॉट खेले। दूसरा गेम 21-15 से जीतकर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक गेम की ओर मोड़ दिया।

तीसरे गेम में प्रणय का दबदबा दिखाई दिया। उन्होंने मध्यांतर तक 11-6 से बढ़त बना ली थी। उधर, एक्सेलसन पर थकान हावी होती नजर आ रही थी। प्रणय पर काफी दबाव था क्योंकि विक्टर को घरेलू दर्शकों का बड़ा समर्थन मिल रहा था। एच एस प्रणय ने कहा, ''हां, अंततः मैंने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत ही लिया। मैंने पूरा फोकस मैच पर कर रखा था। मेरा ध्यान बस अंक हासिल करने पर था।''

सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में हारे

सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय युगल जोड़ी विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में दूसरा पदक हासिल करने से चूक गई। विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के किम एस्तरुप और आंद्रियास रासमुसीन के हाथों 48 मिनट में 18-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग ने पिछली विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले भारतीय जोड़ी की डेनमार्क की इस जोड़ी से 2021 में भिड़ंत हुई थी। इस मैच से पहले भारतीय जोड़ी का इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ 2-5 का जीत-हार का रिकॉर्ड था।

सिनेमा

शाहरुख खान की जवान ने रिलीज से पहले रचा इतिहास, आज तक कोई भी इंडियन फिल्म नहीं कर पाई ये काम

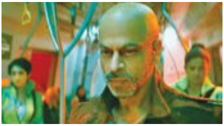

शाहरुख खान की आखिरी रिलीज फिल्म पठान ने बॉक्स ऑफिस पर जहां कई रिकॉर्ड तोड़े तो वहीं कई रिकॉड्र्स बनाए भी। पठान की सुपर सक्सेस के बाद से ही दर्शकों में अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर क्रेज तगड़ा देखने को मिल रहा है। फिल्म में शाहरुख खान एक बार फिर से जोरदार एक्शन करते नजर आएंगे, जिसकी झलक अभी तक के आउटपुट में देखने को मिली हैं। ऐसे में अब रिलीज से पहले ही जवान ने इतिहास रच दिया है और कुछ ऐसा किया है, जो आज तक कोई भी भारतीय फिल्म नहीं कर सकी है। दरअसल शाहरुख खान स्टारर जवान, ट्रम्पलास्ट पर रिलीज होगी। ये दुनिया की सबसे बड़ी स्क्रीन है, जो 125 फीट चौड़ी और 72 फीट लंबी है। बता दें कि ट्रम्पलास्ट, जर्मनी के लियोनबर्ग में स्थित एक बहुत बड़ा आईमैक्स थिएटर है। खास बात ये है कि जवान से पहले आज तक कोई भी इंडियन फिल्म उस स्क्रीन पर नहीं चली है। ऐसे में फिल्म ने इतिहास रचने वाला काम किया है। याद दिला दें कि हाल ही में शाहरुख खान ने फिल्म का एक नया मोशन पोस्टर जारी किया था, जिसमें वह पांच अलग-अलग चेहरों वाले किरदारों में नजर आ रहे हैं।

रुपयों के विवाद में भिड़े दो पक्ष

◆ मौके पर पहुंची पुलिस, दोनों पक्षों पर केस दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हेमू कालोनी इलाके में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया और नौबत मारपीट तक जा पहुंची । विवाद की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों को थाने ले आई। यहां दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि इनके बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। मल्हारगंज पुलिस ने बताया कि रात में हेमू कॉलोनी में विवाद की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची और विवाद करने वालों को थाने ले आई। यहां नमित की शिकायत पर हर्षित और विजय व दोनों की शिकायत पर नमित के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। नमित को हर्षित और विजय से रुपये लेना थे। गुरुवार को नमित उनके घर पहुंचा। यहां आपस में कहासुनी हुई और विवाद बढ़ गया। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हंगामे को शांत कराया। रात में विवाद करने वाले युवकों को हिरासत में भी ले लिया गया है।

नशीली टेबलेट के साथ पकड़ाया युवक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस के विशेष अभियान के दौरान एक युवक के पास से नशीली टेबलेट मिली। उसने वह टेबलेट देवास के मेडिकल स्टोर्स से लाने की बात कही,पुलिस टीम ने तत्काल देवास से जाकर नशीली टेबलेट का गोरखधंधा करने वाले को भी गिरप्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ कर ये पता लगाया जा रहा है कि वे ये नशीली टेबलेट कहां से लाते थे,कई रहस्य सामने आने की संभावना है। खजराना पुलिस टीम को स्टार चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को सुजुकी एक्सेस 125 बिना नंबर की गाड़ी पर चेकिंग के दौरान रोका। उसकी तलाशी करने पर आरोपी के पास से 200 गोली प्रतिबंधित अल्प्राजोलम टेबलेट की मिली। आरोपी का नाम फरदीन पिता रिजवान सैलानी,खजराना बताया गया है। पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा उक्त प्रतिबंधित अल्प्राजोलम टेबलेट देवास में रेवा मेडिकल स्टोर से लाना बताया जिस आधार पर पुलिस टीम द्वारा देवास पहुंच कर सेवा मेडिकल स्टोर का संचालक अकील पिता मोह मद इब्राहिम नागोरी,भोसले कॉलोनी को भी गिर तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का केस दर्ज किया गया है।

स्कूल में विवाद, छात्र को सहपाठी ने पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। चंदन नगर में एक स्कूल में एक छात्र के साथ में उसके सहपाठी ने पीट दिया। इनके बीच जगह पर बैठने की बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने सुनिल पांजरे पिता अशोक पांजरे निवासी राजनगर की शिकायत पर छात्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी ने बेटे वंश (14) के साथ में मारपीट की है। उन्होंने पुलिस को बताया कि कल बेटी पलक का फोन आया। उसने बताया कि कि वंश के साथ उसी की क्लास में पढऩे वाले एक छात्र ने मारपीट की है। इस पर स्कूल गए तो पता चला कि क्लास में बेंच पर बैठने कि बात को लेकर उसका विवाद हो गया। आरोपी का कहना था कि वंश उसकी जगह पर बैठ गया है। इसी बात को लेकर उसके साथ में गाली-गलौज की। विरोध करने पर मारपीट कि। उसे धमकाया कि अगर दोबारा जगह पर बैठा तो जान से मार देगा।

घर में घुसकर पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मल्हारगंज इलाके में रहने वाले एक युवक को घर में घुसकर पीट दिया। आनन्द पिता दशरथ जाट निवासी जनता कॉलोनी की शिकायत पर पुलिस शोभा, सुनिल और विजय के खिलाफ केस दर्ज किया है। आनंद ने पुलिस को बताया कि उनका व सुनील के परिवार का करीब चार महिने पहले विवाद हो गया। उसी बात को लेकर सुनील अपने परिवार के साथ में उसके घर पर आया। घर के अंदर घुस कर गाली-गलौज करने लगा। उसने विरोध किया तो उसे बोला कि तूने पहले हमसे झगडा किया था, इसी के चलते वह आज उसका बदला लेने के लिए आए हैं।

स्कूल में हंगामा

बच्चे बोले- प्रिंसिपल करते है प्रताड़ित धर्म के प्रति बोलते है अशब्द

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदैर। महू की सेंट मैरी स्कूल में 12वीं क्लास की बालिकाओं के साथ प्रताडऩा और मारपीट का मामला सामने आया है। शुक्रवार दोपहर तक बालिकाओं के साथ बजरंग दल और अन्य राजनीतिक संगठनों के लोगों ने स्कूल में जमकर हंगामा किया।

इस दौरान काफी देर तक बालिकाएं स्कूल परिसर में नीचे बैठी रही यहां मौजूद बालिकाओं का आरोप था कि स्कूल की प्रिंसिपल उन्हें प्रताडित करती है साथ ही मारपीट भी करती है। धर्म के प्रति अशब्द बोलती है। बालिकाओं के हंगामे की जानकारी लगने के बाद स्कूल परिसर में पुलिस फोर्स भी पहुंच गया।

मामले को बढ़ता देख नायब तहसीलदार और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मामला शांत करवाते हुए नजर आए। मामले में नायब तहसीलदार राधावल्लभ का कहना है कि पांच सदस्य लोगों की टीम बनाई गई है जो पूरे मामले की जांच करेगी।

इसमें दो टीचर और बालिकाएं और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे। वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि अगर बच्चों ने आरोप लगाए हैं, उन्हें हम देख रहे है संबंधित प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

फरारी के दौरान नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा, जो पांच साल पहले क्षेत्र में ही हुई चोरी के मामले के साथ क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में भी फरार था।

विजयनगर पुलिस स्थाई वारंटी, वारंटी के साथ चाकूबाजों को तलाश कर रही थी, तभी पुलिस को क्षेत्र में संदिग्ध युवक घूमता मिला। उसे रोककर पूछताछ की तो वह पुलिस को गुमराह करने लगा, जिसे थाने लाकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना नाम आकाश उर्फ अक्का पिता जियालाल कोचले निवासी सुंदर नगर बताया। जांच में वह 2018 में चोरी के एक मामले में फरार होना पाया गया, साथ ही उस पर सप्ताहभर पहले थाना क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिग ने भी दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। उक्त मामले में भी वह फरार था।

स्टूडेंट की लगी साइबर पाठशाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में आज दिनांक 25.08.23 को एडीशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया के साथ इंदौर पुलिस की टीम, सायबर अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, गुमाश्ता नगर इंदौर के स्टूडेंट्स के बीच पहुंच साइबर पाठशाला लगाई।

उक्त कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम व टीम ने उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों, इनके करने के तरीके तथा इनसे किस प्रकार बचा जाए आदि के संबंध में विस्तृत रूप से बताया। उन्हें विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके अपराधी किस प्रकार हमें फंसाते हैं यह जानकारी देते हुए, इनसे बचने के लिए सावधानीपूर्वक इनका इस्तेमाल करने और अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर न करने के बारे में बताया।साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के अभियान के तहत एडीशनल डीसीपी श्री राजेश दंडोतिया ने 141 वीं कार्यशाला लेते हुए स्टूडेन्ट्स से, वर्तमान में पुलिस के पास आने वाले सायबर अपराधों संबंधी शिकायतों को साझा करते हुए, सभी को पूर्ण सतर्कता और सावधानी के साथ ऑनलाइन फाइनेंशियल प्लेटफार्म और सोशल मीडिया का उपयोग करने संबंधी समझाईश दी। इस अवसर पर 350 स्टूडेंट्स सहित इंस्टीट्यूट का स्टाफ भी मौजूद रहा, जो साइबर क्राइम और सुरक्षा की जानकारी से रूबरू हुए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।